



बुजुर्गों, दवियांगजन और तृतीय लगी समुदाय के लयि हेल्पलाईन सुवधि शुरू

चरचा में क्यों?

3 दसिंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय दवियांग दविस के अवसर पर आयोजति कार्यक्रम में महिला बाल वकिस मंत्री अनलिा भेंडयिा और नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शविकुमार डहरयिा ने बुजुर्गों, दवियांगजनों और तृतीय लगी समुदाय के लोगों को आपात् कालीन स्थति में जरूरी सुवधि उपलब्ध कराने के लयि शुरू की गई नई हेल्पलाईन सुवधि का वधिवित् शुभारंभ कयिा ।

प्रमुख बडि

इस सुवधि के जरयि मेडकिल सहायता, पेंशन के साथ ही वभिनिन योजनाओं में आ रही दक्कतों का त्वरति समाधान कयिा जाएगा । इस नई हेल्पलाईन सुवधि का संचालन समाज कल्याण वभिाग द्वारा कयिा जा रहा है ।

- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य स्थापना दविस से बुजुर्गों, दवियांग और तृतीय लगी समुदाय के लयि हेल्पलाईन नंबर 155326 और टोल फ्री नंबर- 1800-233-8989 की सुवधि शुरू करने की घोषणा की थी । समाज कल्याण वभिाग द्वारा इस सुवधि का संचालन प्रायोगिक तौर पर कयिा जा रहा था । अंतर्राष्ट्रीय दवियांग दविस के अवसर पर इसका वधिवित् शुभारंभ हुआ है ।
- इस नई सुवधि से महतारी एक्सप्रेस-102, मेडकिल हेल्पलाईन 104 और आपात् कालीन सेवाओं के लयि जारी नंबर 112 को भी जोड़ा गया है । इससे बुजुर्ग, दवियांग और तृतीय लगी समुदाय के लोगों को बेहतर सुवधि मलिंगी ।
- उल्लेखनीय है कि ऐसे वृद्धजन जो घर में अकेले हों और जनिकी संतानें प्रदेश के बाहर कार्यरत हैं, उनके लयि आपात् स्थतियों में सहायता के लयि प्रदेश में कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं थी । इसे देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दविस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में बुजुर्गों के लयि एक नवंबर (राज्य निर्माण दविस) से सयान हेल्पलाईन शुरू करने की घोषणा की थी ।
- समाज कल्याण वभिाग द्वारा वरषिठ नागरिकों, दवियांगजन और उभयलगी वयक्तियों के कल्याण और पुनर्वास के लयि कई योजनाएँ और कार्यक्रम संचालति कयिा जा रहे हैं । हेल्पलाईन और टोल फ्री नंबर के माध्यम से वभिागीय योजनाओं की जानकारी के साथ आपात्कालीन सेवाएँ, परामर्श, शकियत, पेंशन भुगतान के नरिाकरण संबंधी अनेक कार्यों के लयि मदद ली जा सकती है ।
- इस अवसर पर महिला बाल वकिस तथा समाज कल्याण मंत्री अनलिा भेंडयिा ने कहा कि मुख्यमंत्री के अनुमोदन पर हर वर्ष लगभग 10 हज़ार दवियांगजनों को मोटारइज्ड ट्राइसाइकलि सहति अन्य पुनर्वास उपकरण वतिरति कयिा जाएंगे । इसी प्रकार 15 हज़ार दवियांगजनों को उनके रूचि के मुताबकि रोजगार से जोड़ने के लयि कौशल उन्नयन प्रशकिषण दयिा जाएगा । इनमें 5-5 हज़ार अस्थिबाधति, दृषटि बाधति और मुक बधरि दवियांगजनों को कौशल उन्नयन प्रशकिषण देने की कार्ययोजना बनाई गई है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/helpline-facility-for-elderly-disabled-and-third-gender-community>